प्रेस विज्ञप्ति

बहुत सफल रहा आईआईटी मंडी कैटलिस्ट का हिमालयन इनोवे ान चैलेंज़ 2019

इस प्रतियोगिता में कृशि, कचरा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, अक्षय ऊर्जा, सड़क सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों के लिए इनोवेटिव आइडियाज़ पे ा किए गए

मंडी, 27 मई 2019 : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी कैटलिस्ट, प्रौद्योगिकी आधारित हिमाचल प्रदे ा के पहले इनक्युबेटर ने 25 और 26 मई 2019 को स्टार्ट–अप्स और इनोवेटरों के लिए पहला 'हिमालयन इनोवे ान चैलेंज़' का बहुत सफल आयोजन किया। 'हिमालयन इनोवे ान चैलेंज़ (एचआईसी) – बिल्डिंग सॉल्यू ांस फॉर हिमालयन रीजन' एक अभूतपूर्व प्रयास है जिसका मकसद इनोवेटिव तकनीक आधारित साधनों की बड़ी श्रृंखला का विकास करना है जो खास तौर से हिमालय क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक समस्याओं को समाधान करने में सक्षम हों।

कैटलिस्ट का लक्ष्य हिमालय क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कई संबंधित क्षेत्रों में बदलाव लाना है। व्यक्तिगत भागीदार से लेकर संगठन तक 120 से अधिक टीमें इस उद्दे य से मंथन, विम र्ा और इनोवेट करने की इच्छुक थीं और इन टीमों ने 'हिमालयन इनोवे ान चैलेंज़' 2019 में भाग लेने के लिए आवेदन किया। इनमें 30 टीमों का चयन किया गया।

नवोदित उद्यमियों को भविश्य संवारने के इस रोमांचक सफर में भाामिल होने के लिए आमंत्रित करते हुए आईआईटी मंडी के निदे ाक प्रो. टिमथी गोन्ज़ाल्विस ने कहा, ''स्टार्ट अप में समझने, तुलना करने, आकलन करने, अपनाने और विकसित करने के वि ोश गुण होने चाहिए। मुझे वि वास है सभी नवोदित उद्यमियों और आईआईटी मंडी कैटलिस्ट के सहयोग से हिमालय क्षेत्र में बड़े सुधार होंगे।''

आईआईटी मंडी कैटलिस्ट ने पूरे दे ा के स्टार्ट–अप्स और इनोवेटरों से 'हिमालयन इनोवे ान चैलेंज़' 2019 में उनके आइडियाज़ वि ोशज्ञों के पैनल के सामने रखने के लिए आमंत्रित किया। प्रतिस्पर्धा की ज्यूरी में उद्यमी, आईआईटी मंडी के फैकल्टी मेंबर और उद्योग जगत के अन्य वरिश्ठ सलाहकार भाामिल थे।

भागीदारों को आईआईटी मंडी कैटलिस्ट के बारे में बताते हुए डॉ. पूरन सिंह, फैकल्टी–इन–चार्ज, आईआईटी मंडी ने कहा, ''आईआईटी मंडी कैटलिस्ट स्टार्ट–अप्स के लिए कम लागत पर उच्च स्तरीय कार्य करने का केंद्र है और यह इनोवे ान के लिए बढ़ावा और सक्षमता प्रदान करता है। हिमालय क्षेत्र के लिए समाधान विकसित करने पर केंद्रित कैटलिस्ट के पास नए स्टार्ट–अप्स को उभरने का अवसर देने के लिए आव यक संसाधन आईआईटी मंडी में उपलब्ध हैं। हिमालय क्षेत्र की चुनौतियों को दूर करने और इस उद्दे य से साधन

विकसित करने के लिए कैटलिस्ट ने आप सभी को आईआईटी मंडी में प्रोडक्ट तैयार करने और पहाड़ों में स्टार्टअप करने के लिए आमंत्रित किया है।''

इस अवसर के लिए बुनियादी संबोधन में श्री अम्बर श्रीवास्तव, फाउंडर, रिग नैनो सिस्टम्स और एचआईसी 2019 के ज्यूरी सदस्य ने कहा, ''दुनिया तेजी से बदल रही है। हर दिन नई–नई तकनीकियां आ रही हैं। हमें भी उसी तेजी से बदलना होगा ताकि हम दुनिया के कदम से कदम मिला कर चलें। इसके लिए नए इनोवेटिव आइडियाज़ चाहिए और नए आइडियाज़ को सब के सामने लाने का सबसे सही उपाय उद्यम ीलता को बढ़ावा देना है। हमारे इस युग में कॅरियर का सबसे अच्छा विकल्प खुद उद्यमी बनना है। एक सफल उद्यमी में 'जीवनद ान के साथ व्यक्तित्व विकास', 'सफलता के लिए जुनून और 'निरंतर विकास' – इन तीन गुणों का होना जरूरी है।

इस अवसर पर हिमालय क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों जैसे कृशि, कचरा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, अक्षय ऊर्जा, सड़क सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में सब के विकास से जुड़े अन्य क्षेत्रों पर कई आइडियाज़ पे ा किए गए और उन पर विम ा हुए।

आईआईटी मंडी कैटलिस्ट ने 15 इनोवेटिव आइडियाज़ का चयन किया और इन इनोवेटरों/ उद्यमियों को इनके प्रोटोटाइप तैयार करने, परीक्षण और क्रियान्वयन में सक्षम बनाएगा ताकि इनकी मदद से हिमालय क्षेत्र में बेहतर बदलाव आए।

26 मई 2019 को समापन समारोह में सुश्री दीपिका राना, उप दिने ाक, उद्योग विभाग, हिमाचल प्रदे ा मौजूद थीं। **तीस स्टार्ट अप्स में तीन सर्वश्रेश्ठ को कुल मिला कर 1 लाख रु. की पुरस्कार रा ि दी गई।** नकद पुरस्कार के लिए वित्तीय सहयोग एचपी सेंटर ऑफ आंतरप्रेन्यरि ाप, उद्योग विभाग, हिमाचल प्रदे ा सरकार ने प्रदान किया। पुरस्कार विजेता हैं :

1. ड्रोन टेक लैब को 50,000रु. का पहला पुरस्कार

यह स्टार्ट–अप स्मार्ट आईओटी आधारित प्रीसीज़न एग्रीकल्चरल पैकेज देता है जिसमें हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और आसान डाटा एनालिटिक प्लैटफॉर्म भी है। इससे किसानों का नुकसान कम होगा जो सही स्मार्ट प्रीसीजन आईओटी आधारित एग्री सॉल्यू ांस उपलब्ध नहीं होने की वजह से बड़ी समस्या रही है। इसके अभाव में किसान फसल लगाने से पहले, उसके बाद और इस दौरान वि लेशण के साथ जानकारियां प्राप्त करने में अक्षम रहे हैं।

2. गो विद्युत को 30,000रु. का दूसरा पुरस्कार

यह कम लागत की इलैक्टिक टू–व्हीलर की विस्तृत रेंज़ है जो ईवी मोड में उत्सर्जन– ून्य है और रेंज़ एक्सटेंडर (REx) मोड में भी कम उत्सर्जन करता है और चार्जिंग स्टे ान पर वाहन की निर्भरता कम करता है। गैसोलीन वाहन से 60–80 प्रति ात कम लागत पर यात्रा का आनंद देता है।

3. कैपयूएम को 20,000रु. का तीसरा पुरस्कार

यह भौचलयों के लिए मैकेनिकली एक्चुएटेड फ्ल ा है जिसमें लॉक और अनलॉक करने की भी सुविधा है इसलिए ऐसे भौचालयों का उपयोग और साफ–सफाई दोनों आसान है।

आईआईटी मंडी कैटलिस्ट चोटी की तीन टीमों के साथ इन 15 टीमों को इनक्युबे ान में सहायता देगा। इससे स्टार्ट–अप्स को आईआईटी मंडी से बतौर अनुदान एवं निवे ा 16.5 लाख रु. की रा ि ा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

उल्लेखीय है कि कैटलिस्ट ने पिछले दो वर्शों में 30 से अधिक स्टार्ट–अप की मदद की है। इनमें 16 हिमालय प्रदे ा राज्य के हैं और इनमें 4 स्टार्ट–अप्स व्यावसायिक चरण में पहुंच गए हैं। इन स्टार्ट–अप्स से रोजगार सृजन हो रहा है और 60 से अधिक लोगों को इंटर्न ि ाप करने का अवसर मिला है। कैटलिस्ट ने पिछले 2 वर्शों में स्टार्ट–अप्स के लिए 1 करोड़ रु. से अधिक के अनुदान और निवे ा किए हैं।

###

आईआईटी मंडी का परिचय (http://www.iitmandi.ac.in/)

जुलाई 2009 में विद्यार्थियों के पहले बैच से आरंभ कर आज आईआईटी के लिए 1,300 विद्यार्थी (300 पीएचडी, 46 एमएस रिसर्च स्कॉलर) के साथ 110 फैकल्टी, स्टाफ में 150 लोगों का होना बड़ी उपलब्धि है। आईआईटी मंडी का कामंद में पूर्णतः आवासीय कैम्पस है जिसमें 1.2 लाख वर्ग मी. में भवन निर्माण हो गया है और 95,000 वर्ग मीटर में निर्माणाधीन है। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा जारी ने ानल इंस्टीट्यू ानल रैंकिंग फ्रेमवर्क (https://www.nirfindia.org/) के तहत भारतीय इंजीनियरिंग संस्थान श्रेणी की रैंकिंग–2019 में आईआईटी मंडी को 20वां रैंक दिया गया। एनआईआरएफ के 'आउटरीच' और 'इन्क्लुसिवीटी' मैट्रिक्स में आईआईटी मंडी का स्थान सभी 23 आईआईटी में सर्वोच्च है।

सन् 2010 से अब तक आईआईटी मंडी के भिाक्षक 85 करोड़ रु. से अधिक के लगभग 180 प्रोजेक्ट हासिल कर चुके हैं। इनमें खास तौर से उल्लेखनी है एडवांस्ड मटीरियल्स रिसर्च सेंटर (एएमआरसी) जिसकी 2013 में लगभग 50 करोड़ के निवे ा से स्थापना की गई। इसमें मटीरियल्स के गुणों के वर्गीकरण (कैरेक्टराइजे ान) के लिए आव यक आधुनिक उपकरण हैं। आईआईटी मंडी में भाोध के लिए 'क्लास 100

क्लीन रूम' भी है जो भारत का ऐसा पहला और वि वस्तरीय भोध केंद्र है। 2017 में भारत सरकार के जैवतकनीकी विभाग ने आईआईटी मंडी को 10 करोड़ रु. के प्रतिश्ठित फार्मजोन प्रोजेक्ट के नेतृत्व के लिए चुना।

इसका प्रोजेक्ट–प्रधान बी. टेक. पाठ्यक्रम संस्थान के 4 साल के डिज़ाइन और इनोवे ान स्ट्रीम पर केंद्रित है। यह संस्थान डाटा साइंस और इंजीनियरिंग में बी. टेक. कोर्स भुरू करने वाला पहला आईआईटी होगा। जर्मनी में टीयू 9 के साथ मई 2011 से आईआईटी मंडी के कई सहमति करार के तहत कार्य जारी हैं। सन् 2013 से 2 डब्ल्यूपीआई फैकल्टी के साथ हर साल डब्ल्यूपीआई, अमेरिका के 25 विद्यार्थी आईआईटी मंडी आते हैं।

सन् 2016 में आरंभ आईआईटी मंडी का कैटलिस्ट हिमाचल प्रदे ा का पहला टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्युबेटर है। आईआईटी मंडी का एक अन्य इनोवेटिव प्रोग्राम है ईडब्ल्यूओके (इनैबलिंग वीमन ऑफ कामंद वैली) जो ग्रामीण महिलाओं को कौ ाल प्र ि ाक्षण देकर उन्हें ग्रामीण स्तर का व्यवसाय आरंभ करने में सक्षम बनाता है।

Media contact for IIT Mandi:
IIT Mandi Media Cell - mediacell@iitmandi.ac.in/ Landline: 01905267832
Akhil Vaidya – Footprint Global Communications
Cell: 9882102818 / Email ID: akhil.vaidya@footprintglobal.com
Samriddhi Bhal - Footprint Global Communications
Cell: 7905887524 / Email: samriddhi.bhal@footprintglobal.com
Palak Sakhuja - Footprint Global Communications
Cell: 9582338333 / Email: palak.sakhuja@footprintglobal.com
Sairam Radhakrishnan - Footprint Global Communications
Cell: 9840108083/ Email: sairam.radhakrishnan@footprintglobal.com
Bhavani Giddu - Footprint Global Communications
Cell: 9999500262 / Email: bhavani.giddu@footprintglobal.com